05 मार्च 2025:

जीवन के सबसे सुन्दर पल/ The great moments of our life...!*

यह कोई बड़ा सम्मान नहीं हैं और न ही किसी बड़ी संस्था द्वारा दिया गया हैं, पर हमारे लिए बहुत महत्व रखता हैं।

एक संस्था के विचारकों ने हमें यह सम्मान देना तय किया, यह हमारे इसलिए बड़ी बात है कि उनकी नज़र हम सबके ग्रामीण इतिहास वाले कार्य पर लंबे समय से थी और एक दिन संस्था अभ्युदय से जुड़े कवि-फ़िल्मकार डॉ अमर नाथ अमर और लेखिका डॉ इंदु झूनाझुवाला ने हमें यह सूचित किया कि हमें और इतिहासकार रश्मि चौधरी को 2 मार्च 2025 को संस्था के वार्षिक कार्यक्रम में क्रमशः *अभ्युदय अंतर्राष्ट्रीय इतिहास शिक्षा सम्मान 2025* और *अभ्युदय अंतर्राष्ट्रीय हिंदी समाजसेवी सम्मान 2025* देने जा रहे हैं।

यह हमारे लिए बड़ी बात थी कि पिछले 14 वर्षों से हम सब 1539 ई के चौसा युद्ध, 1764 ई के बक्सर युद्ध के लिए बक्सर सहित उत्तराखंड के जयहरिखाल, 1857 के सेनानी मंगल पाण्डेय के बलिया, कुंवर सिंह के जगदीशपुर एवं राव कदम सिंह ग़ुर्ज़र के पूठी, मेरठ के ग्रामीण क्षेत्र में ग्रामीण इतिहास पर जो कार्य कर रहे हैं, उसका सम्मान कोई संस्था करने जा रही हैं।

ऐसे क्षण बहुत ही आत्मीय और भावुक करनेवाले होते हैं कि कोई है जो आज की दौड़ती हुई दुनिया में थोड़ी देर रूक कर आपके कार्यों के बारे में सोचता हैं।

कार्यक्रम में राजनीतिज्ञ -लेखक और पूर्व सांसद सुनील शास्त्री, कथकार चित्रा मुदगल, आलोचक नवीन चंद्र लोहानी, विधि विशेषज्ञ संजीव शर्मा, कंप्यूटर साइंस आदि की गरिमामय उपस्थिति ने हमें उत्साहित किया।

कभी 2022 में यही अहसास भोपाल के *विश्वरंग 2022* में हुआ था जब कार्यक्रम के संयोजन से जुड़े कवि-कलाकार लीलाधर मंडलोई और लेखक संतोष चौबे ने हम सबके कार्य को लेकर भोपाल में क्रिएटिव हिस्ट्री की अवधारणा पर पूरा एक सत्र रखा था जिसमें पत्रकार अरविन्द मोहन, इतिहासकार हितेंद्र पटेल और लेखक शेयोरज सिंह बेचैन के विचारों ने क्रिएटिव हिस्ट्री की अवधारण पर विमर्श के कई सन्दर्भ दिए।

ये पल जीवन के सबसे सुन्दर पल होते हैं। बहुत ही अविस्मरणीय!

सन्दर्भ :

प्रभात खबर, पटना, 05 मार्च 2025

अभ्युदय सम्मान की खबर।